



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 76]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 11, 1977/फाल्गुन 20, 1898

No. 76]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 11, 1977/PHALGUNA 20, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसने कि यह भ्रमण सकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATIONS

CUSTOMS

New Delhi, the 11th March 1977

G.S.R. 111(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts cows, heifers, bulls, goat, sheep and pigs falling under Chapter 1 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) when imported into India for the purpose of breeding only, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule and the whole of the auxiliary duty of Customs leviable under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act.

Provided that the importer shall, before an order for clearance for home consumption is passed by the proper officer, produce a certificate from the Department of Agriculture (Ministry of Agriculture and Irrigation) to the effect that—

(1) the animals are being imported for breedings,

- (2) the import is a part of breeding plan duly approved by the Department of Agriculture of the Ministry of Agriculture and Irrigation of the Central Government;
- (3) the animals comply with health requirements as laid down under the live-stock Importation Act, 1898 (9 of 1898); and
- (4) the number of animals imported and the minimum standard of production potential are approved by the Department of Agriculture of the Ministry of Agriculture and Irrigation of the Central Government

[No. 32/F. No. 355/198/76-Cus. I]

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचनाएँ

सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1977

सा० का० नि० 111(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 1 के अन्तर्गत सम्मिलित गायों, कलरो, सांड़ों, बकरियों, भेड़ों और सुअरों को जब उनका आयात भारत में केवल प्रजनन के प्रयोजन के लिए ही किया जाए, उक्त प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट, उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमा-शुल्क में और उक्त वित्त अधिनियम की धारा 32 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सहायक सीमाशुल्क से छूट देती है :

परन्तु आयातकर्ता, समुचित अधिकारी द्वारा देश के भीतर उपयोग के लिए निकासी आदेश पारित करने से पूर्व, कृषि विभाग (कृषि और सिंचाई मन्त्रालय) से निम्नलिखित आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा—

- (1) यह कि पशुओं का आयात प्रजनन के लिए किया जा रहा है ;
- (2) यह कि आयात केन्द्रीय सरकार के कृषि और सिंचाई मन्त्रालय के कृषि विभाग द्वारा सम्यकरूप से अनुमोदित प्रजनन योजना का ही एक भाग है ;
- (3) यह कि पशु, पशुधन आयात अधिनियम, 1898 (1898 का 9) के अधीन अधि-कथित स्वास्थ्य-अपेक्षाओं के अनुरूप हैं ; और
- (4) आयात किए गए पशुओं की संख्या और उनकी न्यूनतम उत्पादन क्षमता केन्द्रीय सरकार के कृषि और सिंचाई मन्त्रालय के कृषि विभाग द्वारा अनुमोदित की गई है ।

[सं० 32/फा० सं० 355/198/76-सी० शु० I]

G.S.R. 112 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts synthetic industrial diamonds (including boat), falling within Chapter 71 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India from—

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule as is in excess of 40 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act.

[No 33/F No 255/216/76-Cus I]

सा० का० नि० 112 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 71 के अन्तर्गत सम्मिलित कृत्रिम औद्योगिक हीरों (इसमें बोर भी है) को जब उनका आयात भारत में किया जाए—

(क) उन पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के उतने भाग से, जो उक्त प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है और जो मूल्य के 40 प्रतिशत से अधिक है ; और

(ख) उक्त वित्त अधिनियम की धारा 32 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सहायक सीमा-शुल्क से छूट देती है ।

[सं० 33 फा० सं० 355 216/76-सी शु-I]

G.S.R. 113 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interests so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 202-Customs, dated the 24th August, 1963, namely —

In paragraph 2 of the said notification—

(i) in condition (b), the word “or” shall be inserted at the end;

(ii) after condition (b) as so amended, the following condition shall be inserted, namely—

“(c) the vessel belongs to or is chartered by, or engaged on behalf of, the Central Government or a State Government”.

[No. 34/F No 355/13/77-Cus I(M)]

M. JAYARAMAN, Under Secy

सा०का०नि० 113 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 202 सीमा-शुल्क, तारीख 24 अगस्त, 1963 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में,—

(i) शर्त (ख) में अन्त में “या” शब्द जोड़ा जाएगा ;

(ii) इस प्रकार संशोधित शर्त (ख) के पश्चात् निम्नलिखित शर्त अस्तित्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(ग) जलयान केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार का है, या उसके द्वारा भाडे पर लिया गया है, अथवा उसकी ओर से रखा गया है।”।

[सं० 34 फा० सं० 355 13/77-सी० शु० I (एम)]

एम० जयरामन अवर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा निर्वचक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977